वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 278 | शुक्रवार 3 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रिफ में दिखाई गई राजस्थानी फिल्म 'बाहुबली राजस्थानी'

फेस्ट में फिल्म स्क्रीनिंग के साथ हो रहे विभिन्न विषयों पर संवाद, दुनियाभर के फिल्ममेकर आए नजर

जयपुर. कासं

शहर के क्रिस्टलपॉम आईनॉक्स में चल रहे रिफ फिल्म क्लब के राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के नौवें संस्करण में फिल्म स्क्रीनिंग, ओपन फोरम, वर्कशॉप और टॉक शो जैसे मनोरंजक व दिलचस्प, सार्थक कार्यक्रम हुए। दूसरे दिन डॉक्टर अजीत जैन, द बापू आश्रम, केमिकल ब्रोस, इन माई हेड, राजस्थानी बाहुबली, जोबनिया जलेबी, हाथ रपिया, बारात, लोटस ब्लूम, बस्ती एवं माता (द मोनेस्ट्री) जैसी बेहतरीन फिल्मों की खास स्क्रीनिंग हुई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। फेस्टिवल में लीजेंड एक्टर मरहूम इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर के साथ द वर्ल्ड नीड स्ट्रॉन्ग विमन विषयक खास टॉक शो हुआ। सेशन में सुतापा ने आज की नारी की विशेषताएं और सिनेमा जगत में नारी की महत्ता पर रोशनी डाली। उन्होंने बताया की वह न ही अभिनेत्री बनना चाहती थी, न ही किसी अभिनेता से शादी करना चाहती थी। इतना ही नहीं अभिनय करना पसंद करती थी, लेकिन सबकुछ इसके उलट हुआ। सुतापा ने बताया कि जीवन में उन्होंने हर कदम फूंक-फूंककर और योजनाबद्ध ढंग से उठाया, लेकिन इरफान के इंतेकाल के बाद उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। इसीलिए अब उन्होंने हर पल को खुलकर जीने का मकसद बना लिया। इस टॉक शो में रानू श्रीवास्तव, आस्था अग्रवाल, संध्या दिलीप, कल्पना सिंह, अंशु हर्ष ने विचार व्यक्त किए। दूसरे टॉक शो में रिफ के फाउंडर सोमेंद्र हर्ष ने सिनेमा-क्षेत्रीय भाषाएं और राजस्थानी भाषा मान्यता, भविष्य एवं चुनौतियां विषयक सेशन में राजस्थानी भाषा में विचार व्यक्त किए। शुद्ध रूप से राजस्थानी भाषा को समर्पित इस सेशन में उन्होंने कहा कि राजस्थानी सिनेमा समग्र रूप से तभी बढ़ेगा जब राजस्थानी भाषा में ही व्यावहारिक रूप से संवाद हो।

9 मार्च से 12वीं, 16 से 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं

अटेंडेंस 75% से कम तो एग्जाम नहीं दे पाएंगे छात्र

जयपुर. कासं

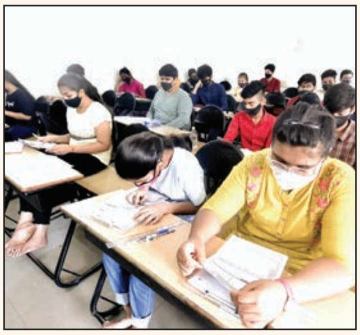

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं और 10वीं के एग्जाम मार्च में शुरू होंगे। साथ ही बोर्ड की गाइडलाइन के मुताबिक 10वीं-12वीं के जिन छात्रों की स्कूल में उपस्थिति 75% से कम होगी, वे वर्ष 2023 की बोर्ड परीक्षा नहीं दे सकेंगे। बोर्ड ने प्रदेश के स्कूलों से 75% से कम उपस्थिति वाले परीक्षार्थियों की सूचना ऑनलाइन मांगी है। इस संबंध में गुरुवार को निर्देश जारी किए गए। बोर्ड सचिव मेघना चौधरी की ओर से जारी आदेश के अनुसार 12वीं की परीक्षा 9 जबकि 10वीं की 16 मार्च से शुरू होंगी। इन परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों की उपस्थिति के लिए प्रपत्र जारी किए गए हैं। इनमें ही छात्रों की उपस्थिति बोर्ड को उपलब्ध करानी है। स्कूलों को 1 मार्च तक यह जानकारी देनी है। बोर्ड ने वेबसाइट पर पिछले साल की परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की तिथि भी जारी की है। बोर्ड ने यह भी कहा है कि सभी परीक्षार्थियों की उपस्थिति गणना स्कूल खुलने की तिथि से की जानी है। बोर्ड ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि पिछले साल जारी किए परिणामों की तिथि और स्कूल खुलने की तिथि को देखते हुए 16 फरवरी तक अंतिम उपस्थिति मानकर पूरे सत्र की उपस्थिति बोर्ड को भेजी जाए। बता दें, पिछले साल 12वीं के सभी संकायों के परिणाम 6 जून तक जारी हो गए थे। 10वीं और प्रवेशिका के परिणाम 13 जून को आए थे। राजस्थान बोर्ड ने 12वीं के विद्यार्थियों के रोल नंबर जारी कर दिए हैं। अब 10वीं के परीक्षार्थियों के रोल नंबर जारी किए जाएंगे। दोनों परीक्षाओं के शुरू होने से एक हफ्ते पहले एडमिट कार्ड जारी होंगे।

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के अग्रदूत बनेंगे युवा विद्यार्थी

कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों को दी गई सरकार की योजनाओं की जानकारी

जयपुर. कासं। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के दिशा में युवा विद्यार्थी अग्रदूत बनेंगे, इसलिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने एक अभिनव पहल की है। जिसके तहत जयपुर जिले के कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी एवं प्रचार सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरूवार को उपनिदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क मान सिंह मीणा की अगुवाई में कार्यालय की टीम ने जयपुर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों को सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी। परिचर्चा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवा विद्यार्थी सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के अग्रदूत हैं। सरकारी योजनाओं पर्याप्त जानकारी के माध्यम से हम ना केवल स्वयं लाभांवित हो सकते हैं, बल्कि हम जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलवा सकते हैं। इस दौरान मीणा ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, एक रुपये किलो गेहूं योजना, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, पालनहार योजना सहित सरकार की तमाम योजनाओं की पात्रता एवं प्रक्रिया की बारीकियां विद्यार्थियों के साथ साझा कीं। उन्होंने सरकारी योजनाओं की बेहतर जानकारी हासिल करने के लिए बच्चों को अपने मोबाइल में सुजस एप डाउनलोड करने के लिए भी प्रेरित किया।

सांसारिक मोह माया से विरक्त होकर 8 श्रावक श्राविका ने आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज से ली जिनेश्वरी दीक्षा

पारसनाथ, सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर पर साधना महोदधी आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के कर कमलों से 8 श्रावक श्राविका को जिनेश्वरी दीक्षा प्रदान की गई। इन 8 श्रावक श्राविका ने संसार से विरक्ति का भाव लिए मुक्ति के मार्ग का अनुसरण किया। इसी तारतम्य में पूज्य आचार्य श्री के द्वारा मुनि श्री पीयूष सागर महाराज को उपाध्याय पद से सुशोभित किया वह उनके दीक्षा के संस्कार संपन्न किए। समस्त आयोजन का निर्देशन पीयूष सागर महाराज व ब्रह्मचारी तरुण भैया के साथ प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप मधुर मुंबई ने किया। दीक्षा विधि के प्रारंभ में समाज परिवार वह सभी संतो की अनुमति लेकर आचार्य श्री ने अपने आत्म हितंकर तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर जी महाराज, आचार्य शांतिसागर महाराज, आचार्य विमल सागर महाराज, आचार्य संभव सागर महाराज, आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज सहित गुरुओं की वंदना कर मंच पर आसीन चतुर्विध संघ के साथ धार्मिक क्रिया वह मंत्र उच्चारण के साथ दीक्षार्थी श्रावक श्राविका की केश लोचन की क्रिया को संपन्न किया। जब केश लोचन की क्रिया हुई तो हर कोई इसे देख भावुक नजर आया स्वयं के हाथों केशलोचन कोई सहज कार्य नहीं है वह भी बिना किसी औजार के जैन दर्शन में कैशलोच तप साधना है। केशलौच की क्रिया सम्पन्न होने के बाद आचार्य श्री के द्वारा दीक्षा के संस्कार कर आवश्यक नियमों के संकल्प दिलाकर उन्हें सन्यास के मार्ग पर आरोप करते हुए उनके नवीन नामों की घोषणा की। नामों की घोषणा होने के बाद उपस्थित समुदाय जय-जय कारों की जय घोष से गुंजायमान हो गया। दीक्षा के बाद सभी श्रमण दीक्षार्थियो ने गुरुदेव की मंगल आशीष ली। **रोचक जानकारी:** दीक्षार्थी सुशील कुमार जैन ने आचार्य श्री को शिष्य के रूप में धर्मशास्त्र का ज्ञान अध्ययन कराया था। लेकिन समय ने ऐसा प्रसंग प्रस्तुत कर दिया कि अपने शिष्य को गुरु मानते हुए उनसे दीक्षा ग्रहण की। इस विषय पर आचार्य श्री ने कहा कि सुशील जी से बहुत कुछ सीखा है। इस अवसर पर बोलते हुए आचार्य श्री ने कहा कि दीक्षा स्वयं के द्वारा स्वयं की परीक्षा है। जैन संत जिह्वा से ज्यादा अपनेजीवन को प्रभावित करता है। इसीलिए भगवान महावीर ने इसे मार्ग कठिन और दुर्लभ कहा है। उन्होंने कहा सांसारिक कई व्यक्ति साधु बन सकते हैं दिगंबर जैन संत प्रकृति का जीवन जीते हैं इसलिए नग्न रहते हैं। न स्नान, न वस्त्र, ना बर्तनों में भोजन, ना सोने को बिस्तर, ना रहने को झोपड़ी, न बैठने को गाड़ी। उन्होंने कहा दिगम्बर जैन संत तो 2 से 4 माह के बीच अपनेसर के बाल और दाढ़ी-मूछ को अपने हाथों से उखाड़ते है। शरीर और इन्द्रियों से ममत्व भाव कम करने के लिए और अपने वैराग्य भाव को दृढ़ करनेके लिए अपने लक्ष्य को पाने के लिए केशलोचन क्रिया करते हैं। इन सब कार्य को आत सात कर अपने गुरु आज्ञा का व जैन धर्म का तन मन से पालन करनेवाले ऊजावान व्यक्तिव जेनेश्वरी दीक्षा को प्राप्त करता है। बह्मचारी अवस्था सेक्षुल्लक दीक्षा तक नियमों में कुछ छूट होती है। जिन्हें उच्च पद मिलते ही समाप्त कर दिया जाता है। साथ ही क्षुलिका व माता जी साध्वियों के लिए भी धमार्नुसार नियम होते हैं। जिनका उन्हें पालन करना होता है। गौरतलब है कि अकल्पनीय तप साधना के मध्य भी अपने संघस्थ साधु के प्रति वात्सल्य भावका निर्वाह करते हैं। आज महापारणा के बाद तीर्थराज पर अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने दीक्षा देकर शिखर जी मे हो रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा को सफल बना दिया ।

दर्शनोदय तीर्थ कुछ ना कुछ नया मिलता है: मुनिश्री अभयसागरजी महाराज

18फरवरी से होगे चन्देरी में पंचकल्याणक महोत्सव: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी आओ तो हर बार कुछ ना कुछ नया मिलता है यहां जो आप बड़े बाबा की स्तुति आराधना कर रहे हैं इनकी प्रतिष्ठा जांहागीर के समय पर हुई थी । बड़े बाबा की प्रतिमा के नीचे लगी पावटी पर लिखी प्रस्सती में भारत के तात्कालिक सम्राट जहांगीर का नाम स्पष्ट लिखा है ये ऐसा तीर्थ है कि यहां आप खोज करते जाये और नया नया पता लगाते जाये। यहां के प्रकृति सौंदर्य और आबो हवा को तो आने वाले सभी यात्री महसूस करते हैं लेकिन थूवोनजी में जो आध्यात्मिकता के साथ सूकून बिखरा पड़ा है उसके लिए आपको मन लगाना पड़ेगा। **शान्ति धारा करने का मिला सौभाग्य:** दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का एक सौ आठ कलशों से अभिषेक किया गया इसके बाद परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभयसागरजी महाराज के श्री मुख से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति की गई जिसका सौभाग्य सुनील कुमार,शैलेंद्र कुमार संजीव कुमार श्रंगार कैंटीन मिंटू लाल शालू जैध भारत ज्वेलर्स,दयाचंद विमल चंद कोटिया बदरवास, प्रभाष कुमार ,विकास कुमार दिल्ली प्रदीप जैन महिदपुर परिवार सहित अन्य भक्तों को मिला। इस दौरान कमेटी द्वारा मुनिश्री के साथ पैदल विहार कर आये युवाओं का सम्मान किया गया। **18 फरवरी से 25 फरवरी तक होंगे पंचकल्याणक:** इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभयसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में ऐतिहासिक नगरी चन्देरी में पंचकल्याणक महोत्सव का 18 फरवरी से 25 फरवरी तक होने जा रहा है । अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी आपके साथ कदम से कदम मिला कर कम करेगी । चंदेरी कमेटी के मंत्री अविनाश जैन ने कहा कि ये पंचकल्याणक महोत्सव पूरे जिले का उत्सव है और पूरी कमेटी की सेवा चाहते हैं। इस दौरान चन्देरी समाज के अध्यक्ष राकेश कक्का, मंत्री डॉ अविनाश जैन, दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू ,महामंत्री विपिन सिंघाई ,चन्देरी समाज के नीरज राम नगर जैन ,मनीष कडरया, राकेश बग्गरिया, आशीष सराफा, कुअर प्रदीप सिंह, भानू मोदी, अशोक मोदी मनोज जैन महावीर अभिनन्दन सराफ, शनिचरा वैगलोर ,श्रवुवूल गोला तारा चन्द, वारी राजेश आनंद रोकड़िया, रिषभ जैन, मुकेश जैन,महावीर शनिचरा सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए दोपहर बाद मुनि संघ ने चन्देरी की ओर विहार कर दिया ।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया

श्रीमती गुणमाला दीवान (छोटी कमला)

धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री भागचंदजी दीवान

का निधन 2 फरवरी 23 को हो गया है। तीये की बैठक 4 फरवरी को प्रातः 9.00 बजे शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सैक्टर 3 मालवीय नगर, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- सुरेंद्र-आशा, उमेश-कुसुम,अशोक-निशा (पुत्र-वधु), शशि - नवीन सेन, रजनी- दिलीप गोदिका (पुत्री-दामाद), अंकित-मेघा, आशीष, अक्षत-प्रीति (पौत्र- वधु), शिप्रा -आशीष बैद, मीनाक्षी - राजीव साखुनियां, शिल्पा - सौरव बख्शी, नितिका (पौत्री - दामाद), सोनाली- अक्षय ठोलिया, श्वेता - राकेश छाबड़ा, चारु - अमन बंसल (दोहिती-दामाद), अमौली (पड़पौत्री) समस्त दीवान परिवार।

पीहरपक्ष- समस्त डिग्गीवाल एवं सौगाणी गैंडाका परिवार।

सुर व ताल से सजा "उल्लास-2023"

जयपुर. शाबाश इंडिया

धरती धोरां री, केसरिया बालम, पधारो म्हारे देश जैसे मिट्टी की सोंधी महक से सराबोर गायन ''सारेगामा'' और प्रतिभागियों के उत्साही रंगों के लिबास, भाव और ताल के संगम से सजा ग्रुप डांस एस. एस. जी. पारीक पी.जी. कॉलेज एवं संबद्ध शिक्षण संस्थान के ''उल्लास - 2023'' समारोह में देखने को मिला। पूर्व उपमहापौर मनीष पारीक, कांग्रेस के प्रदेश कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, जयपुर महाराज ब्रास बैंड के संस्थापक रहीस भारती, थिएटर आर्टिस्ट शिखा पारीक, डॉ. आर के पारीक, पार्षद अभय पुरोहित, कत्थक कलाकार ज्योति भारती गोस्वामी, आईएएस चित्रा गुप्ता, डॉ. स्निग्धा शर्मा, डॉ. सीमा गोयल, मोनिका अग्रवाल, निष्ठा अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से जीवन में उल्लास जीवंत रहता है इसलिए ऐसे मंच विद्यार्थियों को उपलब्ध होने चाहिए। दर्शकों के आग्रह पर मनीष पारीक ने, माझी नैया ढूंढे किनारा, उठो वीर जवानों पर प्रस्तुति देकर हर्षोल्लासित कर दिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्रतिभागियों की यादगार धुनों पर प्रस्तुति ने माहौल को सुरमयी बना दिया। अतिथियों की उपस्थिति और निर्णायकगणों के सुर व ताल से सजे संगीत ने सभी में जोश का संचार किया। सारेगामा में बॉलीवुड, क्लासिकल, फोक और ग्रुप डांस में वेस्टर्न फोक, क्लासिकल श्रेणियों में लगभग 100 प्रस्तुतियां दी गई। प्रबन्धकार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष बजरंग लाल पारीक, सचिव लक्ष्मीकांत पारीक, कोषाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश पारीक, सदस्य केके. पारीक, एनके पारीक, भगवती प्रसाद पारीक ने अतिथियों का स्वागत किया।

वेद ज्ञान

जीवन का उद्देश्य

हमारी जीवन यात्रा का एक ही उद्देश्य है आत्मतत्व का साक्षात्कार। जो व्यक्ति अपने आत्मतत्व को जान जाता है, वह परमात्मा को जान लेता है। एक महात्मा मंदिर के बाहर ही बैठे रहे, जबकि उनके सभी शिष्य मंदिर के भीतर जाकर भगवान के दर्शन कर लौट आए। एक भक्त ने उनसे पूछा कि गुरुजी क्या आप भगवान के दर्शन करने भीतर नहीं जाएंगे? इस पर महात्मा ने कहा कि मैंने यहीं से भगवान के दर्शन कर लिए हैं। जिज्ञासु भक्त ने पूछा कि यहां से तो भगवान की मूर्ति दिखाई नहीं दे रही है? महात्मा ने कहा कि भगवान की मूर्ति मेरे मन में ही बसी है, इसलिए उनके दर्शन करने के लिए मुझे मंदिर के भीतर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने मन के बंद दरवाजे खोलने की जरूरत है। यह सुनकर सभी शिष्य असमंजस में पड़ गए, तब महात्मा ने उन्हें समझाया कि भगवान के दर्शन पूजा-पाठ या तीर्थ करने से नहीं होते। ये साधन हो सकते हैं, लेकिन सत्य को जानने के बाद परमात्मा के दर्शन हो जाते हैं। सत्य को जानने के लिए आत्मतत्व को जानना होता है, जो हमारे भीतर ही मौजूद है। महात्मा ने आगे कहा कि हमारा प्रत्येक निर्णय सत्य होने का दावा करता है। इसका अर्थ यह हुआ कि असत्य को जान लेना ही सत्य है। इसलिए भगवान को खोजने के बजाय पहले सत्य को जानो। जब आप सत्य को जान जाओगे, तो आत्मतत्व को जान जाओगे और जब आत्मतत्व को जान गए, तब परमतत्व को जान गए। वैसे आत्मतत्व और परमतत्व एक नहीं हैं, लेकिन अलग-अलग भी नहीं हैं, क्योंकि जैसा आत्मतत्व वैसा ही परमतत्व और जैसा परमतत्व वैसा ही आत्मतत्व। इनमें कोई अंतर नहीं है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं कि जब तक आप यह अनुभव नहीं करते कि आप स्वयं देवों के देव हो, तब तक आप मुक्त नहीं हो सकते। ज्यादातर लोग समझते हैं कि उनका शरीर ही आत्मतत्व है और जब उनकी मृत्यु होगी, तब आत्मतत्व भी मर जाएगा। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि आत्मा को शस्त्र से काटा नहीं जा सकता, अग्नि उसे जला नहीं सकती, जल उसे गला नहीं सकता और वायु उसे सुखा नहीं सकती। यानी जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर नए वस्त्र धारण करता है, उसी प्रकार आत्मा पुराने शरीर को त्यागकर नवीन शरीर धारण करती है। आत्मा और शरीर के मिलन से ही जीवात्मा बनता है।

संपादकीय

सरकारी तंत्र की लापरवाही आमजन पर भारी...

पाकिस्तान में पेशावर की एक मस्जिद में हुआ विस्फोट आतंकवादी बर्बरता की ही एक और कड़ी है। इससे एक बार फिर यही साफ हुआ है कि आतंकवादियों का कोई मजहब नहीं होता। इसका इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि पेशावर के पुलिस लाइन इलाके में स्थित मस्जिद में यह विस्फोट तब हुआ जब लोग वहां नमाज अदा कर रहे थे। फिलहाल इस विस्फोट की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन शुरूआती आकलनों में यह बताया जा रहा है कि इस विस्फोट को आत्मघाती दस्ते के किसी सदस्य के जरिए अंजाम दिया गया। आशंका यह भी जताई गई है कि संभवतः बम को मस्जिद में लगाया गया था। घटना की प्रकृति और इसमें शामिल लोगों की जिम्मेदारी तो व्यापक जांच के बाद तय होगी, लेकिन इतना तय है कि पाकिस्तान के आम लोग भी वैश्विक आतंकवाद के निशाने पर उतने ही हैं, जितने दूसरे मुल्कों के लोग। विडंबना यह है कि ऐसे हमलों का खमियाजा दुनिया भर में हर बार आम जनता को ही उठाना पड़ता है, जबकि इसके संरक्षक पर्दे के पीछे सुरक्षित बैठे साजिशें रचते रहते हैं। दरअसल, पाकिस्तान में आतंक के कहर की यह कोई अकेली घटना नहीं हैं। वहां भी आए दिन आतंकवादी हमले होते रहते हैं और उसमें साधारण लोग शिकार बनाए जाते रहते हैं। लेकिन वहां की सत्ताधारी ताकतों को यह स्वीकार करने की जरूरत शायद नहीं महसूस होती कि आतंकवाद की आग कैसे पाकिस्तान को भी धीरे-धीरे खाक करता जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले साल चार मार्च को पेशावर के ही कोचा रिसालदार इलाके में एक शिया मस्जिद में आत्मघाती बम विस्फोट की वजह से तिरसठ लोग मारे गए और करीब दो सौ घायल हो गए थे। तब उस घटना की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह की खुरासान इकाई (आइएस-के) ने ली थी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महज पिछले ढाई साल के आंकड़ों के मुताबिक वहां आतंकी हमलों में लगभग साढ़े सात सौ लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। यों ऐसे हमले कहीं भी होते रहे हैं, मगर इनका मुख्य निशाना मदरसे और मस्जिद बने। यह समझना मुश्किल है कि आखिर व्यापक पैमाने पर निर्दोष लोगों की जान लेकर आतंकी संगठन कौन-सा मकसद हासिल कर पाते हैं! इसके समांतर सवाल यह है कि आतंकवाद से निपटने के लिए सरकार क्या करती है, क्या रुख अपनाती है। यह छिपा तथ्य नहीं है कि भारत अक्सर आतंकी घटनाओं के लिए उन संगठनों को जिम्मेदार बताता रहा है, जो पाकिस्तान स्थित ठिकाने से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को इस बात के लिए आगाह किया जाता रहा है कि वह आतंकी संगठनों को शह न दे। लेकिन अफसोस की बात यह है कि जब भी इस तरह की आवाज उठाई जाती है, तब पाकिस्तान या तो इसे झूठा आरोप बता कर खारिज कर देता है या फिर इसकी अनदेखी कर देता है। जबकि आतंकवाद को संरक्षण देने के सवाल पर ही पाकिस्तान को आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा खमियाजा उठाना पड़ता है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान के एक आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध कर दिया था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लापरवाही या...

अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा को लेकर खासी सावधानी बरती जाती है। उसमें तैनात होने वाले सुरक्षा कर्मियों का चयन काफी छानबीन के बाद की जाती है। मगर ओड़ीशा में शायद इसे लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती गई, जिसका नतीजा यह हुआ कि एक सहायक पुलिस उपनिरीक्षक यानी एएसआइ ने राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री पर गोली चला दी और उनकी मृत्यु हो गई। स्वास्थ्य मंत्री एक बैठक के लिए गए हुए थे और वहां इकट्ठा हुए लोगों का अभिवादन करने अपनी गाड़ी से उतरे ही थे कि उन्हें गोली मार दी गई। अब गोली चलाने वाले एएसआइ की पत्नी ने कहा है कि उसके पति पिछले पांच-सात सालों से मानसिक परेशानी का सामना कर रहे थे, जिसका इलाज चल रहा था। असल तथ्य तो गहन जांच के बाद ही सामने आ सकेगा, मगर फिलहाल सवाल है कि एक मंत्री स्तर के व्यक्ति की सुरक्षा को लेकर इस कदर लापरवाही बरती गई, तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भला कितनी गंभीरता बरती जाती होगी। अगर कोई पुलिस अधिकारी इतने लंबे समय से मानसिक परेशानियों का सामना कर रहा था, तो यह तथ्य किसी से छिपा नहीं होगा, जरूर उसके ऊपर के अधिकारी भी इस बात को जानते होंगे। फिर उन्होंने संवेदनशील मामलों में उसकी तैनाती से परहेज क्यों नहीं किया। पुलिस कर्मियों, सेना के जवानों और सुरक्षा बलों में मानसिक तनाव की समस्या कोई छिपी बात नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं, जब मानसिक तनाव और अधिकारियों के किसी प्रकार के मनमुटाव के कारण किसी सिपाही ने अपने ही साथियों को गोलियों से भून डाला या अपने किसी अधिकारी को गोली मार दी। इस तरह के बढ़ते मामलों के मद्देनजर समय-समय पर जवानों, अधिकारियों आदि के मानसिक स्वास्थ्य की जांच के भी आदेश दिए गए। मगर शायद इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। हालांकि ओड़ीशा के मामले में एक मंत्री स्तर के व्यक्ति पर गोली चलाई गई, इसलिए इसकी जांच के कई कोण बनते हैं। मंत्री से किसी राजनीतिक रंजिश और आपराधिक साजिश के तार भी तलाशने के प्रयास होंगे। हो सकता है कि स्वास्थ्य मंत्री से दोषी पुलिस अधिकारी की कोई व्यक्तिगत रंजिश रही हो। मगर पुलिस बलों में काम के बढ़ते बोझ और उचित विश्राम आदि न मिल पाने की वजह से मानसिक तनाव के बढ़ते आंकड़ों से इनकार नहीं किया जा सकता। ओड़िशा के स्वास्थ्य मंत्री की हत्या से दो सबक स्पष्ट हैं। एक तो यह कि विशिष्ट लोगों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई खतरनाक साबित हो सकती है। दूसरा यह कि पुलिस बलों पर काम के बोझ का मूल्यांकन और उनके स्वाथ्य को लेकर गंभीरता से विचार की जरूरत है। अगर दोषी पुलिस अधिकारी का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था, तो उसकी तैनाती ऐसे काम पर क्यों की गई थी, जिसमें अधिक सतर्कता और सक्रियता की जरूरत पड़ती है। अक्सर पुलिस महकमे का कहना होता है कि उसके पास कर्मचारियों और अधिकारियों की कमी होने के कारण वह अपने जवानों को उचित अवकाश आदि उपलब्ध नहीं करा पाता। उन्हें तय समय से कहीं ज्यादा काम करना पड़ता है। अक्सर पुलिस अधिकारियों को कई-कई दिन तक लगातार काम करना पड़ता है। मगर इस तर्क से किसी अस्वस्थ व्यक्ति के ऊपर अत्याचार की छूट नहीं मिल जाती।

अपने को ज्ञानी मानने वाला अज्ञानी व अहंकारी

अभिमान खोलता पतन का मार्ग: आचार्य श्री रामदयाल जी महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अपने आपको जो ज्ञानी मानता है वह अज्ञानी, अहंकारी व भक्तिशून्य है। अहंकार चाहे जानने का हो या शक्ति व धन का हो हमेशा पतन का रास्ता दिखाता है। अहंकारी को हमेशा गिरना ही होता है। जहां अभिमान आता है वहां पतन आएगा। कलयुग में व्यक्ति के पास वाणी पाठ करने का भी समय नहीं है। शब्द का अर्थ जानने की ताकत नहीं रह गई है। अहम आदिकाल से विनाश का मूल रहा है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने गुरूवार को स्वामी श्रीरामचरणजी महाप्रभु के 303वें प्राक्ट्य दिवस के अवसर पर माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में दस दिवसीय विराट आध्यात्मिक सत्संग ह्यह्मराष्ट्र पर्व से लेकर राम पर्व तकह्लह्ल के आठवें दिन व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि महापुरूषों की गति महापुरूष ही जानते है एवं समझदार ही समझदारी की बात समझ सकते है। स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज वाणीजी में कहते है कि अज्ञान, अहंकार व अर्थवाद पतन का कारण है। परमात्मा अनंत तो उसका ज्ञान भी अनंत है। जीवन की उलझनों में पड़े रहने के बीच ये ध्यान रखे कि हमारा आत्मकल्याण किससे हो सकता है। राम नाम के प्रति हमारी श्रद्धा कभी कमजोर नहीं होनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज ने तप की वाणी में 15 अनर्थ बताए है। संपति में छह दोष बताए गए है जिनमें सबसे पहला झूठ है। एक भी व्यक्ति संपति के बारे में सच नहीं बोलता है इससे ही विवाद पैदा होते है। श्रीजी महाराज ने वाणी में संसार का चित्र खींचा है। माया के संग रहकर जगत में कोई सुख प्राप्त नहीं कर पाया है। जहां झूठ होता है वहां फूट होती है ओर फूट होने पर रूठ व कूट होती है। उन्होंने कहा कि ये कहना सार्वभौमिक झूठ है कि लक्ष्मी मेरी है जबकि वह वास्तव में नारायण की है लेकिन उनके पास भी नहीं रहती ऐसे में थोड़ी देर जिसके पास लीला करने आई उसके पास क्या रहेगी।

यह बजट अच्छा है: सुरेन्द्र कुमार पांड्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के लोकसभा में पेश किए गए केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सी-डोस सदस्य सुरेन्द्र कुमार जैन पांडया ने कहा कि यह बजट अच्छा बजट है,जिसमें वेतनभोगी कर्मचारियों को वेतन बजट में छूट दी गई है। जिससे हर आय वर्ग जाए चाहे वेतन कितना भी हो,उसे छूट प्राप्त हो रही है। इस बजट में इन्फ्रास्ट्रक्रर पर काफी ध्यान दिया गया है जिसमें 50 नए एयरपोर्ट रेलवे पर 2.40लाख करोड़ रोड ट्रांसपोर्टेशन पर पिचहत्तर हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे। इससे रोजगार भी बढ़ेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारियों के लिए इंडस्ट्रीज में कोरोना काल में दिक्कत आई थी,उन्हें स्पेशल पैकेज दिया गया,साथ ही एमएसएमई को भी काफी राहत दी गई है जिसमें इंटरेस्ट में रिबेट और यूनिट के लिए स्पेशल पैकेज दिया गया है कुल मिलाकर हैं इस परिस्थिति में इससे अच्छा बजट नहीं दिया जा सकता है ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार ने गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

नवकार ग्रुप द्वारा ज्ञानचंद जैन ग्रुप के खाध्य मंत्री के सौजन्य से सांगानेर गऊ शाला में गायों को एक ट्रॉली हरा चारा एवं गुड वितरण किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि इस अवसर पर सचिव गिरीश कुमार जैन, कार्याध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई, कोषाध्यक्ष कैलाश चन्द सेठी, उपाध्यक्ष अरुण कुमार जैन एवं ग्रुप के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के बाद सांगानेर जैन मन्दिर के दर्शन किए गए एवं अल्पहार करवाया गया।अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल द्वारा सभी का अभिवादन किया गया एवं आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

श्री अनिल कुमार-अनिता जैन

नवकार किचन वाले

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ

(3 फरवरी) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

ज्ञानतीर्थ पर आज जन्म कल्याणक जुलूस निकलेगा

आचार्य ज्ञानसागर जी के उपकार को भुलाया नहीं जा सकता: गिर्राज डंडोतिया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। चम्बल की पावन धरा पर जन्म लेकर आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने अपने कुल का ही नही बल्कि मुरेना का नाम सम्पूर्ण विश्व में रोशन किया है। आप एक महान और परोपकारी सन्त थे। पूज्य गुरुदेव ने सत्य और अहिंसा का उपदेश देकर हम सभी पर जो उपकार किया है उसे हम भूल नहीं सकते ।उक्त विचार मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष माननीय गिर्राज डंडोतिया (कैबिनेट मंत्री) ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर पर चल रही धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। डंडोतिया ने विराजमान सभी आचार्य श्री एवं अन्य साधु संतों के चरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया । ज्ञानतीर्थ परिवार एवं जैन समाज की ओर से माननीय गिर्राज डंडोतिया जी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। श्री ज्ञानतीर्थ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में राज दरवार सजाया गया। श्री आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के

प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जयकुमार निशांत ने बताया कि गर्भ कल्याणक पूर्व रूप के अंतर्गत इंद्रसभा में सुधर्मा सभा में तत्वचर्चा हुई । सौधर्म इंद्र की सभा में आये हुए देवों-देवियों ने तत्वचर्चा करते हुए अपनी अपनी शंकाओं का समाधान किया ।सभा के मध्य देवों-देवियों ने भक्ति नृत्य करते हुए आनन्द लिया। सभा के मध्य कुबेर इंद्र अपनी शची इंद्राणी के साथ राज दरबार में पधारे। कुबेर इंद्र द्वारा रत्न व्रष्टि (रत्नों की बरसात) की गई। सौधर्म इंद्र की आज्ञानुसार कुबेर इंद्र ने अयोध्या नगरी में 81 खण्ड का नद्यावर्त भवन का निर्माण कराया। कुबेर के स्वागत में नृत्यांगनाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किये गए। जगत जननी मां मरुदेवी की सेवा में अष्टकुमारियाँ प्रस्तुत हुई ।रात्रि के अंतिम पहर में माता मरुदेवी ने सोलह स्वप्न देखे, उनका मंच पर अति सुंदर प्रस्तुती की गई।रात्रिकालीन वेला में प्रतिष्ठाचार्यों द्वारा गर्भकल्याँक की आंतिरिक क्रियाएं की गई। प्रातःकालीन वेला में जैनाचार्य श्री विनीत सागर, ज्ञेयसागर के सान्निध्य में एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के निर्देशन में भगवान के अभिषेक, शांतिधारा, पूजन आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए । मंच पर आचार्यों, मुनिराजों के साथ गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण माताजी, सृष्टीभूषण माताजी, आर्षमति माताजी, आर्यिका अंतसमती माताजी, कुमुदमती माताजी सहित समस्त साधुगण एवं आर्यिकाएँ विराजमान थी। ज्ञानगेह आवास ग्रह से लावलश्कर के साथ महाराज नाभिराय एवं महारानी मरुदेवी बग्घी में सवार होकर आयोजन स्थल काल्पनिक नव निर्मित अयोध्या नगरी पहुचीं ।दोपहर माता मरुदेवी की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ ।सर्व प्रथम ब्रह्मचारिणी बहिनों एवं त्यागी व्रतियों ने गोद भराई की ततपश्चात उपस्थित माता बहिनों ने पंच मेवा से माता मरुदेवी की गोद भरी। आज प्रातः कालीन वेला में बालक आदिनाथ का जन्म होगा। सौधर्म इंद्र बालक को लेकर जन्माभिषेक हेतु पांडुक शिला पर जाएंगे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर

के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

निःशुल्क मेडिकल कैम्प एवं नेत्र जांच शिविर

रविवार, 5 फरवरी 2023 | समय : प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक

स्थान : राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी......

हृदय रोग विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ	नेत्र रोग विशेषज्ञ	डायबिटिज विशेषज्ञ	स्त्री रोग विशेषज्ञ	जनरल फिजिशियन	कान, नाक, गला विशेषज्ञ	कैंसर विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. जितेश जैन	डॉ. करिश्मा गोयल	डॉ. प्रियाश्री कटेवा	डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. डी. के. जैन	डॉ. पंकज सिंह	डॉ. सरजीत सैनी

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

नोट : जाँच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा। रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉ. की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी | फाइब्रो स्कैन (प्रातः 10 से 12 बजे तक) | लिपिड प्रोफाइल रेंडम शुगर | पैप स्मीयर (केवल महिलाओं के लिए) | मैमोग्राफी (केवल महिलाओं के लिए) | ई.सी.जी. (कार्डियोलॉजिस्ट की सिफारिश पर)

मुख्य अतिथि :: डॉ. निर्मल जी जैन, Member : National Road Safety Council (NRSC)

दीप प्रज्वलन कर्ता : श्रीमान् सुभद्र जी पापड़ीवाल

मुख्य समन्वयक: यश कमल-संगीता अजमेरा 9829067076
समन्वयक: राकेश-रेणु संघी 9950880055
समन्वयक: कमल-मंजू ठोलिया 9414062851
समन्वयक: प्रदीप-प्राची बाकलीवाल 9414070596
संयोजक: नितेश - मीनू पाण्ड्या 9314263204

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
राजेश बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष | पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक | मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष | अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष | अनिल-निशा संघी सचिव

सौजन्य से :: राजस्थान अस्पताल जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

के द्वारा आयोजित

WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायंकाल 6.00 बजे से

स्थान : भट्टारक जी की नशियां, नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये।
चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

DONATE BLOOD

WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

विशाल रक्तदान शिविर

आदिनाथ जयंती 16 मार्च से महावीर जयंती 3 अप्रेल तक

भगवान महावीर की 2621 वीं जन्म जंयती के पावन अवसर पर मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से मानव सेवार्थ लगभग 40 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जायेंगे।

:: सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ::

जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी ....

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	समन्वयक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - सोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नविन सेन जैन परामर्शक	यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष	महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल उपाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी सचिव
अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष	राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव	राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव	

❊ कार्यकारिणी सदस्य :: अनिल-ज्योति जैन चौधरी ❊ डॉ अनुपम-विनीता जैन ❊ सपन-रजनी छाबड़ा ❊ नितेश-मीनू पाण्ड्या ❊ विशेष आमंत्रित :: अशोक-अर्चना पाटनी ❊ अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249

जब भी पूजन करो तो द्रव्य अच्छे मन से चढ़ाओ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। राष्ट्रहित चिंतक आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज, मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज, मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज का प्रवास इंदौर में चल रहा है ।इसके अंतर्गत प्रतिदिन मुनि श्री ससंघ मंदिर के दर्शनार्थ पहुंच रहे है इसी कड़ी मे संजय अहिसा ने बताया की 2 फरवरी को श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तिलक नगर कॉलोनी मे धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने कहा कि जब भी पूजन करो तो द्रव्य चढ़ाते समय यह भावना करो कि मैं स्वर्ण और रत्न चढ़ा रहा हूं इससे आप का पुण्य बढ़ेगा, दान देने से फायदा ही होता है , पाषाण का मंदिर बनाने का पुण्य अनंत गुना लिखा है, इसकी आयु 2000 वर्ष होती है, अशोक पाटनी आरके मार्बल ने जब दान चिंतामणि पुस्तक पढ़ी तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि एकता जगी एक ताजगी आई मिलकर रहो, तिलक सज्जनता का प्रतीक है ,उदयनगर में सिद्धो की आराधना का अवसर प्राप्त हो रहा है, यह किसी का नहीं है भगवान का कार्य है ,केसर, चंदन, कपूर का तिलक लगाना चाहिए जिससे जिससे हमें दिन भर ठंडक मिलती है और एनर्जी मिलती है। प्रातःकाल अभिषेक शांति धारा संपन्न हुई आचार्य श्री की पूजन हुई ,शास्त्र अर्पण किया गया इस अवसर पर राजेश जैन दद्दू ने बताया कि 8 से 14 मार्च 2023 को होने वाले पंचकल्याणक जो कि निरवाना होटल के पास कुमेड़ी में होने जा रहा है उसका पात्र चयन 6 फरवरी 2023 दिन रविवार को उदासीन आश्रम पलासिया में होगा ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आर्यिका रत्न 105श्रुतमति माताजी ससंघ का हुआ चौरु के लिए हुआ भव्य मंगल विहार

फागी. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी चकवाड़ा से आर्यिका 105 श्रुत मति माताजी, आर्यिका 105 सुबोधमति माताजी का ससंघ का चोरू ग्राम के लिए भव्य मंगल बिहार हुआ, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने मिडिया को बताया कि उक्त संघ ने धर्मगुणामृत ट्रस्ट गुणस्थली चकवाड़ा में चार माह तक चातुर्मास में धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ाने के बाद आज चोरु ग्राम के लिए भव्य मंगल बिहार किया। कार्यक्रम में संघ को चोरु ग्राम की सीमा पर पहुंचने के बाद चोरु जैन समाज ने संघ की बैंड बाजों के द्वारा भव्य आगवानी की तथा जयकारों के संघ को नगर भ्रमण करते हुए बड़ा मंदिर जी पर पाद प्रक्षालन कर आरती करने के बाद संत भवन में ठहराया उक्त समय गुणस्थली ट्रस्ट के प्रवक्ता जयकुमार गंगवाल चकवाड़ा, कोषाध्यक्ष विनोद कलवाड़ा, हरकचंद गंगवाल, प्रवीण गंगवाल चकवाड़ा,विमल कलवाड़ा, राजकुमार मांदी, मनीष गोधा, त्रिलोक पीपलू फागी, मंजू गंगवाल, पिंकी जैन मांदी, सहित काफी श्रावक श्राविकाएं साथ साथ थे।

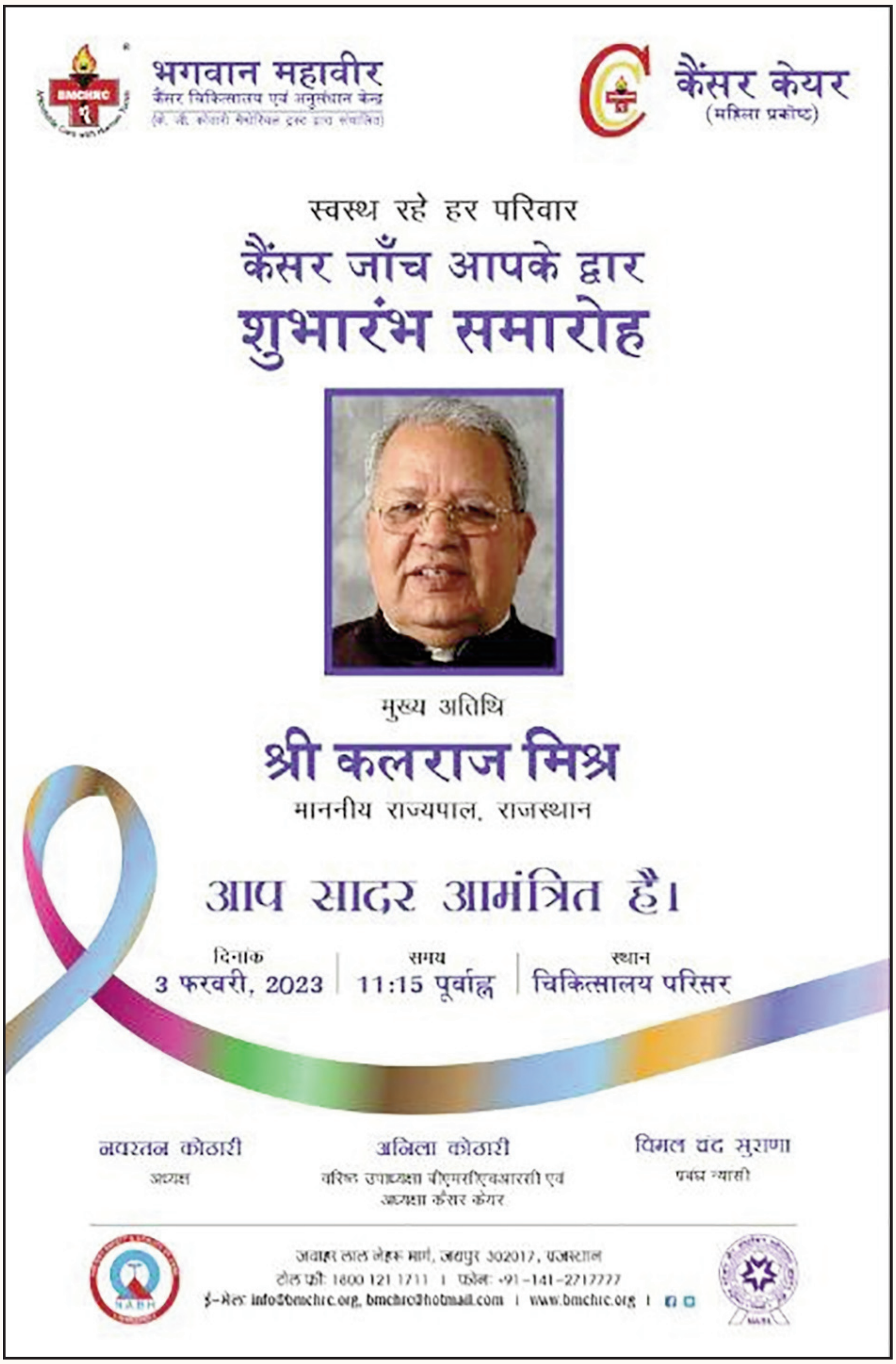

श्री अनिल जी जैन

- ★ श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा जिला जयपुर के अध्यक्ष
- ★ भारतीय जैन मिलन जयपुर के अध्यक्ष
- ★ श्री भारत वर्षीय दिगंबर जैन महासभा (विकास उप समिति) के नार्थ राजस्थान के कार्य अध्यक्ष
- ★ रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सचिव
- ★ अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर सेंट्रल यूथ विंग जयपुर के परम संरक्षक
- ★ राष्ट्रीय संयोजक: श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा (सदस्यता प्रकोष्ठ)
- ★ प्रोजेक्ट डायरेक्टर- चित्रकला प्रतियोगिता राजस्थान जैन ऑर्गेनाइजेशन
- ★ अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद जिला जयपुर के परम संरक्षक
- ★ जैन सोशल ग्रुप अरिहंत के कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती अनीता जी

- ★ अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद टोंक रोड शाखा जयपुर की अध्यक्ष
- ★ सखी गुलाबी नगरी की उपाध्यक्ष
- ★ अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महिला विंग की उपाध्यक्ष
- ★ भारतीय जैन मिलन जयपुर की सचिव
- ★ जैन सोशल ग्रुप जनक की उपसचिव
- ★ श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा की सांस्कृतिक मंत्री

नवकार किचन एंड हार्डवेयर
नवकार इंटीरियर
न्यू आतिश मार्केट

श्री अनिल जी जैन
एवं
श्रीमती अनीता जी जैन

को शादी की वर्षगांठ की बहुत बहुत बधाइयां एवं

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु: समस्त परिवार जन एवं मित्रगण

सम्मेद शिखरजी पर्वत वन्दना कर जयपुर लौटा 1100 जैन बन्धुओं का दल

समाज बन्धुओं ने किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना के शिखर पुरुष 557 दिवसीय सिंहनिष्क्रीडित व्रत के साधक साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में शामिल होने एवं शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की सामूहिक पर्वत वन्दना करने जयपुर से 26 जनवरी को स्पेशल ट्रेन अन्तर्मना एक्सप्रेस द्वारा सम्मेद शिखरजी गया 1100 यात्रियों का दल जयपुर लौट आया। जयपुर लौटने पर गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर स्थानीय समाज बन्धुओं ने यात्रियों का भावभीना स्वागत किया। यात्रा दल में शामिल जैन बन्धुओं ने भगवान पार्श्वनाथ एवं आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के जयकारों के साथ जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की 27 किलोमीटर की पद वन्दना की। यात्रा दल के संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस यात्रा दल में जयपुर सहित भुज कच्छ गुजरात, इन्दौर, मंदसौर, दिल्ली, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़,ब्यावर, अजमेर, बांसवाडा, कोटा, उदयपुर, जलगांव महाराष्ट्र, मथुरा,आगरा सहित पूरे देश से जैन बन्धु शामिल हुए। श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के बैनर तले संरक्षक सुभाष चन्द जैन, मुख्य संयोजक शैलेन्द्र शाह चीकू एवं रेलवे समन्वयक आर के जैन के नेतृत्व में शनिवार रात्रि 1.30 बजे महिला पुरुष यात्रियों का जत्था भगवान पार्श्वनाथ एवं आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के जयकारों के साथ तेरापंथी कोठी धर्मशाला से पैदल रवाना हुआ। इससे पूर्व दल के सदस्यों ने दिन में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के महापारणा महामहोत्सव में सहभागिता निभाई। श्री जैन ने बताया कि 27 किलोमीटर की इस पर्वत

वन्दना करने के लिए पैदल रवाना हुए जत्थे में पुरुषों ने सफेद वस्त्र,सिर पर राजस्थानी पगड़ी,गले में पचरंगा दुपट्टा तथा महिलाओं ने केसरिया साड़ी पहन रखी थी। हाथों में लकड़ी की खण्डी तथा हाथ में अष्ट द्रव्य की सामग्री की थैली लेकर रवाना हुए इस जत्थे के श्रद्धालुओं ने रवानगी से पूर्व पर्वत वन्दना के समय अन्न,जल त्याग का संकल्प लिया। सघन जंगल व वन क्षेत्र के बीच बनी हुई सीमेंट की पगडन्डी व सिढियो पर जयकारा लगाता यह जत्था लगभग 8 किलोमीटर की ऊंचाई पर सर्व प्रथम चौपड़ा कुण्ड पहुचा जहां पर दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात अगले दिन प्रातः 5.30 बजे के लगभग पर्वत पर गौतम गणधर स्वामी के पहले टूंक/टोकडे पर यात्रा दल पहुंचा। पर्वत पर पहुंचते ही यात्रियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। तत्पश्चात पर्वत से मोक्ष गए 20 तीर्थंकरों सहित 24 तीर्थंकरों की कूट के चरणों के क्रमशः दर्शन कर, कूट का अष्ट द्रव्य का अर्घ्य चढ़ाते हुए श्रद्धालु आगे बढ़ते रहे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने की मंडल अध्यक्षों की नई सूची जारी

वैशाली नगर मंडल का अध्यक्ष बनाया युवा नेता मोहित जैन को

कार्यकर्ताओं ने किया खुशी का इजहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा नेता मोहित जैन को वैशाली नगर मंडल का अध्यक्ष बनाया गया हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष वैशाली नगर जितेंद्र कायथवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामगोपाल कटारिया, सुरेंद्र गुप्ता, रणजीत सोनी, गिरधर पारीक, रतन चोपड़ा, महादेव शर्मा, उमराव यादव, सिराज अहमद खान, भरत लाखीवाल, बीपी माथुर, एस के मित्तल, उत्तम यादव, कर्मवीर चौधरी, वरुण शर्मा, कमल शर्मा, मदनलाल शर्मा आदि सभी कार्यकर्ताओं ने मोहित जैन को वैशाली नगर का मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय विधायक एवं कृषि मंत्री लालचंद कटारिया का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया।